>

Title: Regarding reported statement issued by Organisation Islamic countries on Kashmir.

प्रो. रासा सिंह रावत : महोदय, कश्मीर भारत का मुकुट है। हमारे देश का अभिन्न और अविभाज्य अंग है लेकिन मुझे बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले शनिवार को डकार में 57 इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी द्वारा में कश्मीर मुद्दे पर भारत के मामलों में हस्तक्षेप किया गया जिसके बारे में वहां चर्चा हुई। खास तौर से सेनेगल के प्रतिनिधि ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के तहत आत्मनिर्णय का अधिकार कश्मीरियों को होना चाहिए। मैं समझता हूं कि इस प्रकार की मांग ओआईसी संगठन में उठना बहुत निंदनीय है, अनुचित है, भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। मैं भारत सरकार से आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इसकी कड़ी भर्त्सना की जानी चाहिए। ओआईसी देशों में, हमारे जो मित्र देश हैं, उनको स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए कि भारत के आंतरिक मामलों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप सहन नहीं होगा। ओआईसी संगठन के देश कश्मीर के बारे में समय-समय पर इस प्रकार की गलत टिप्पणियां करते रहते हैं, हमें दृढ़ता के साथ मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। हमे दुनिया को कहना चाहिए कि कश्मीर अविभाज्य अंग है और हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप सहन नहीं किया जाएगा।

श्री मधुसूदन मिस्त्री : उनको कह तो दिया है।

प्रो. रासा सिंह रावत : महोदय, केवल खेद व्यक्त कर दिया, उनको निंदा करनी चाहिए।